# अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 327 | श्री विजय पुरम, गुरूवार, 04 दिसंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए


## "राज निवास" का नाम बदलकर "लोक निवास" रखा गया

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर।

गृह मंत्रालय (सीएस प्रभाग), भारत सरकार के दिनांक 25.11.2025 के उपरोक्त विज्ञप्ति के अनुसरण में, माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए "राज निवास", अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का नाम बदलकर "लोक निवास" करने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

राज निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तदनुसार, अब से, इस सचिवालय के सभी आधिकारिक विज्ञप्ति में "राज निवास" के स्थान पर "लोक निवास" नाम लिखा जाएगा। इसके अलावा, नाम परिवर्तन को आधिकारिक वेबसाइट, कार्यालय स्टेशनरी, आधिकारिक टिकटों और साइनबोर्ड/संकेतकों सहित अन्य विविध वस्तुओं में भी शामिल किया जाएगा।

## वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ने सीईओ व अन्य के साथ की बैठक की अध्यक्षता

### मतदाताओं से डिजिटलीकृत गणना प्रपत्र 97.60 प्रतिशत एकत्र

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त श्री पवन कुमार शर्मा ने आज अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में वर्तमान में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, ज़िला चुनाव अधिकारियों, ईआरओ, एईआरओ और अन्य चुनाव संबंधित अधिकारियों के साथ सचिवालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में बैठक की अध्यक्षता की।

प्रारंभ में, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री एल. कुमार ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त श्री पवन कुमार शर्मा का अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की यात्रा पर स्वागत किया। इसके बाद, सीईओ ने एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एक मजबूत और सटीक मतदाता सूची तैयार करने के एकमात्र उद्देश्य से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में किए जा रहे एसआईआर अभ्यास का विस्तृत विवरण दिया, जिसका उद्देश्य यह है कि "कोई भी योग्य मतदाता न छूटे और कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो"।

सीईओ ने नियुक्त डीईओ, ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षक, बीएलओ और बीएलए द्वारा अत्यधिक पारदर्शिता बनाए रखते हुए चल रही एसआईआर प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रत्येक कोने को कवर करते हुए एसआईआर अभ्यास के सुचारू संचालन के लिए तीनों ज़िलों में एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षकों और बीएलओ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

3 दिसंबर, 2025 को दोपहर 2 बजे तक मतदाताओं से डिजिटलीकृत गणना प्रपत्र 97.60 प्रतिशत एकत्र किए गए। सीईओ ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त को सीईओ, डीईओ, ईआरओ और एईआरओ स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठकों के बारे में भी जानकारी दी। सीईओ ने कहा कि राजनीतिक दलों ने भी लगभग 800 बूथ लेवल एजेंटों की नियुक्ति करके अपना सहयोग और समर्थन बढ़ाया है, जो गणना कार्य का समर्थन करने के लिए बीएलओ के साथ निकट समन्वय में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं की अधिकतम कवरेज के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एसआईआर अभ्यास की समीक्षा पर, वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त श्री पवन कुमार शर्मा ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष

शेष पृष्ठ 4 पर

## अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की दुकानें और प्रतिष्ठान (संशोधन) विनियम 21 नवम्बर से लागू

### संशोधनों से संबंधित सभी विस्तृत अधिसूचनाएं श्रम विभाग के आधिकारिक वेब पोर्टल पर

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

व्यापार–अनुकूल इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और कार्यबल के लिए अवसरों और सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक बड़े कदम में, भारत सरकार ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की दुकानें और प्रतिष्ठान (संशोधन) विनियम, 2025 को अधिसूचित किया है। सरकार की 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' पहल के अनुरूप, इन संशोधनों का उद्देश्य अनुपालन आवश्यकताओं को सरल बनाना, पारदर्शिता को बढ़ावा देना और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में कर्मचारियों के कल्याण को सुनिश्चित करना है। संशोधित नियम 21 नवंबर, 2025 से लागू हो गए हैं।

**संशोधनों की मुख्य विशेषताएं**

**सरलीकृत पंजीकरण आवश्यकता:**

पंजीकरण अब केवल 20 या अधिक व्यक्तियों को रोज़गार देने वाली दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए अनिवार्य है, जिससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए अनुपालन दायित्वों में काफी कमी आई है।

**नवीनीकरण प्रक्रिया को हटाना:**

पंजीकरण प्रमाणपत्रों का नवीनीकरण समाप्त कर दिया गया है। एक बार जारी होने के बाद, प्रमाणपत्र प्रतिष्ठान के संचालन की पूरी अवधि के लिए वैध रहेगा, सिवाय उन मामलों को छोड़कर जहां कोई संरचनात्मक या परिचालन परिवर्तन होता है जिसके लिए अद्यतन की आवश्यकता होती है।

**रात्रि पाली में महिलाओं की भागीदारी को सक्षम बनाना:**

महिला कर्मचारियों को अब उनकी स्पष्ट सहमति के अधीन शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे के बीच काम करने की अनुमति है। नियोक्ताओं को रात्रि पाली के दौरान पर्याप्त सुरक्षा, संरक्षा, परिवहन और अनुकूल कार्यस्थल वातावरण सुनिश्चित करना चाहिए।

इन प्रगतिशील संशोधनों से एमएसएमई, ठेकेदारों, सेवा प्रदाताओं और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर प्रशासनिक बोझ में काफी कमी आने की उम्मीद है। प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कार्यबल लचीलेपन को सक्षम करके, सुधार उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करेंगे, आर्थिक गतिविधि को मजबूत करेंगे और पूरे द्वीपसमूह में रोज़गार सृजन का समर्थन करेंगे। संशोधन सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और श्रम बल में अधिक लैंगिक समावेशिता सुनिश्चित करके कर्मचारी कल्याण पर भी ज़ोर देते हैं। श्रम विभाग से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन संशोधनों से संबंधित सभी विस्तृत अधिसूचनाएं श्रम विभाग के आधिकारिक वेब पोर्टल पर सार्वजनिक पहुंच के लिए उपलब्ध हैं।

## फरारगंज के अभ्युदय कॉम्प्लेक्स में मना अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस समारोह

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत आज दक्षिण अण्डमान के फरारगंज स्थित अभ्युदय कॉम्प्लेक्स में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य दिव्यांगजन की क्षमताओं और योगदान का उत्सव मनाना तथा उनके अधिकारों और कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में निदेशक (समाज कल्याण) श्री रविंदर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने विशेष

शेष पृष्ठ 4 पर

## संदेश

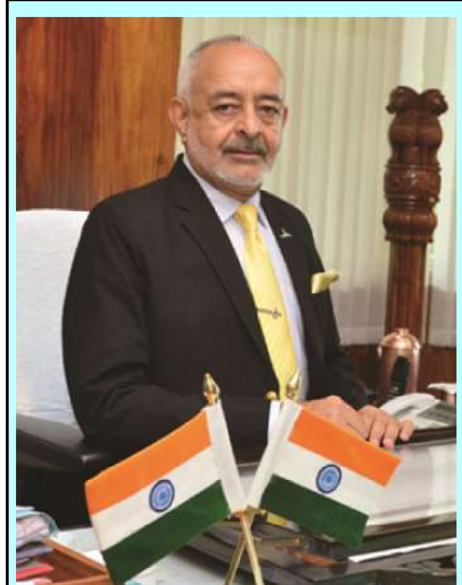

"नौसेना दिवस 2025" के अवसर पर, मैं सभी अधिकारियों, नाविकों, पूर्व सैनिकों, डीएससी कर्मियों, असैनिकों, रक्षा असैन्य नागरिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई और आभार व्यक्त करता हूँ। नौसेना दिवस हमें 1971 के भारत–पाक युद्ध में ऑपरेशन ट्राइडेंट के दौरान प्रदर्शित अनुकरणीय साहस और संचालन कौशल का स्मरण कराता है–जो भारतीय नौसेना के दृढ़ संकल्प और वीरता का एक स्थायी प्रतीक है।

भारतीय नौसेना हमारी समुद्री सीमाओं और विशाल महासागरीय क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभाती रही है। निरंतर निगरानी, निर्बाध समन्वय और बेजोड़ व्यावसायिकता के माध्यम से, हमारे नौसैनिक बल प्रमुख समुद्री संचार लाइनों की रक्षा करते हुए राष्ट्रीय हितों को बनाए रखते हैं और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देते हैं। सूरत, नीलगिरि, उदयगिरि, वाग्शीर और माहे जैसे अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों का हाल ही में भारतीय शिपयार्ड में सम्मिलित होना, आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के प्रति राष्ट्र की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन उन्नत युद्धपोतों की अवधारणा, डिज़ाइन और निर्माण भारतीय शिपयार्ड में किया गया है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, अपनी विशिष्ट सामरिक स्थिति के कारण, हमारे समुद्री सुरक्षा ढाँचे में अत्यधिक महत्व रखते हैं। इन द्वीपों में नौसेना की सुदृढ़ और सक्रिय उपस्थिति अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्गों एवं समुद्री व्यापार की सुरक्षा और अवैध शिकार विरोधी अभियानों के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करती है–जिससे हमारी समुद्री सुरक्षा अत्यंत सुदृढ़ होती है।

नौसेना का योगदान रक्षा और सुरक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। मित्र राष्ट्रों के साथ इसका सहयोग, बहुराष्ट्रीय अभ्यासों में भागीदारी, समुदाय–उन्मुख पहल और अनुकरणीय मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान, भारत के मैत्री, सेवा और वैश्विक उत्तरदायित्व के मूल्यों को दर्शाते हैं। चाहे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना हो या संकटग्रस्त लोगों को समय पर सहायता प्रदान करना हो, भारतीय नौसेना साहस, करुणा और कर्तव्य की अपनी विरासत को निरंतर स्थिर रखती है।

इस नौसेना दिवस पर, मैं सभी नौसेना कर्मियों, पूर्व सैनिकों, डीएससी कर्मियों, असैनिकों और रक्षा नागरिकों को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिनके समर्पण और सेवा से राष्ट्र को गौरव प्राप्त होता है। मैं उनके परिवारों के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिनके सहयोग और बलिदान से यह प्रतिबद्धता संभव हो पाई है।

आइए, हम भारतीय नौसेना के प्रति अपनी कृतज्ञता, प्रशंसा और हृदय से समर्थन की पुष्टि करें क्योंकि यह हमारे राष्ट्र की रक्षा और अपनी गौरवशाली समुद्री परंपराओं को निरंतर बनाये रखने में लगी हुई है।

"शं नो वरुणः।"
जय हिंद!

डी.के. जोशी

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

## माननीय सांसद ने द्वीपों में सरकारी नौकरियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष तय करने का अनुरोध किया

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अंतर्गत ग्रुप–'बी' (गैर–राजपत्रित) एवं ग्रुप–'सी' पदों पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की जाए, तथा स्थायी निवासियों के लिए 5 वर्ष की आयु में छूट प्रदान की जाए। यह मांग लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के लिए जारी हालिया आदेश की तर्ज़ पर की गई है।

सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्री राय ने कहा कि यह विशेष प्रावधान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के युवाओं में आशा, न्याय और विश्वास बहाल करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

## माननीय सांसद ने द्वीपों में आईटी निदेशालय स्थापित करने की दिशा में प्रशासन के कदम का किया स्वागत

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा जारी उस स्पष्टीकरण का स्वागत किया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि एक समर्पित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) निदेशालय स्थापित करने की प्रक्रिया पहले से ही प्रगति पर है। सांसद द्वारा 22 मई, 2025 को भेजे गए पूर्व पत्र के जवाब में, प्रशासन ने बताया है कि आईएसटीएम (डीओपीटी) के माध्यम से विस्तृत कार्य–अध्ययन पूरा किया जा चुका है और आईटी कैडर पुनर्गठन, समर्पित पदों के सृजन, बजट आवंटन तथा आईटी शासन को सुदृढ़ करने संबंधी एक समग्र प्रस्ताव विचाराधीन है। सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति में माननीय सांसद ने इस सकारात्मक कदम पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आईटी निदेशालय की स्थापना डिजिटल शासन को अत्यधिक बढ़ावा देगी और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के युवाओं के लिए नए अवसर उत्पन्न करेगी।

## मरीना पार्क में स्ट्रीट फूड फेस्टिवल 6 और 7 दिसम्बर को

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) 6 और 7 दिसम्बर को शाम 3 बजे से रात 10 बजे तक मरीना पार्क के निकट स्ट्रीट फूड फेस्टिवल–2025 का आयोजन करेगी। यह उत्सव अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध पाक विरासत और विविध स्वादों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखता है।

स्ट्रीट फूड फेस्टिवल–2025 का उद्देश्य सुरक्षित और स्वच्छ स्ट्रीट फूड प्रथाओं को बढ़ावा देना, स्थानीय उद्यमिता को समर्थन देना और निवासियों व आगंतुकों के लिए एक रोचक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करना है। यह उत्सव स्थानीय विक्रेताओं को अपने पाक कौशल को प्रदर्शित करने का मूल्यवान मंच देगा, जिससे सामुदायिक आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और आजीविका के अवसरों में वृद्धि होगी। दो दिवसीय यह कार्यक्रम पारंपरिक और नवीन व्यंजनों की विविधता, लाइव प्रदर्शन और इंटरएक्टिव सत्रों की प्रस्तुति करेगा, जिसका उद्देश्य स्वच्छ और टिकाऊ खाद्य विक्रय प्रथाओं के महत्व को उजागर करना है। यह उत्सव स्थानीय स्वादों

का जश्न मनाते हुए सामुदायिक भागीदारी और गर्व को मजबूत करते हुए एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरने की उम्मीद है। प्राप्त विज्ञप्ति में श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने सभी निवासियों, पर्यटकों और फूड प्रेमियों को इस रोचक उत्सव में शामिल होने और द्वीपों की अनोखी स्ट्रीट फूड संस्कृति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया है।

# द्वीपों की महिला भारोत्तोलकों ने दो और पदक जीते

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

अस्मिता खेलो इंडिया वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, जो त्रिशूर में आयोजित हो रही है, में द्वीपों की महिला भारोत्तोलकों ने आज दो और पदक हासिल किए। सुश्री एम.टी.आर. प्रिथिका ने 53 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता, जबकि सुश्री तन्याशा ने 63 किलोग्राम जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह उल्लेखनीय उपलब्धि द्वीपों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता को दर्शाती है, जो केंद्र शासित प्रदेश की महिला खिलाड़ियों की शक्ति एवं बढ़ते कौशल को प्रदर्शित करती है। उनकी सफलता पूरे खेल समुदाय के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है।

# दिव्यांगजन दिवस पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए गतिविधियां हुईं

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण अण्डमान के समावेशी शिक्षा, समग्र शिक्षा, बीपीओ (एसएस–2025) के तहत आज चिड़ियाटापू चिड़ियाघर और तट में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए खेल एवं एक्सपोज़र विज़िट का आयोजन किया गया। श्री राम प्रवेश ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की और इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दक्षिण अण्डमान अंचल के विभिन्न विद्यालयों के विशेष आवश्यकता वाले बच्चे अपने अभिभावकों और सहयोगी स्टाफ के साथ उत्साहपूर्वक इसमें शामिल हुए।

कुल 186 सीडब्ल्यूएसएन, 110 अभिभावक और 38 सहयोगी स्टाफ इस विज़िट में शामिल हुए। चिड़ियाटापू चिड़ियाघर में छात्रों ने विभिन्न प्रकार के जानवरों को देखा और वन्यजीव संरक्षण के बारे में सीख हासिल की।

चिड़ियाटापू चिड़ियाघर की उप निदेशक, जैविक उद्यान, श्रीमती मीरा नांबियार ने समूह का स्वागत किया और छात्रों व अभिभावकों से बातचीत की। उन्होंने पशु देखभाल और चिड़ियाघर के संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद प्रतिभागी चिड़ियाटापू तट पहुंचे, जहां बच्चों ने मज़ेदार खेल, मनोरंजन गतिविधियों और मनमोहक समुद्र तटीय वातावरण में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समग्र शिक्षा की समावेशी शिक्षा इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने सीडब्ल्यूएसएन के लिए समावेशन, सीख, अनुभव और आनंदपूर्ण सहभागिता को सफलतापूर्वक प्रोत्साहित किया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन सार्थक और यादगार बन गया।

# सीडब्ल्यूएसएन के लिए नॉर्थ बे में खेल एवं एक्सपोज़र विज़िट आयोजित

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

समग्र शिक्षा, ब्लॉक प्रोजेक्ट कार्यालय, विंबर्लीगंज द्वारा आज नॉर्थ बे में खेल एवं एक्सपोज़र विज़िट का आयोजन किया गया। लगभग 110 दिव्यांग (सीडब्ल्यूएसएन) छात्रों ने, अपने अभिभावकों के साथ, उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न मज़ेदार आउटडोर खेलों का आनंद लिया, बैडमिंटन खेला, प्राकृतिक परिवेश का अन्वेषण किया तथा पासिंग द बॉल और नृत्य जैसी गतिविधियों में भाग लिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की, जिसने उनके बच्चों के आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता और सीखने को बढ़ावा दिया।

# कालीकट स्कूल के छात्र व कर्मचारी जानवर के काटने की रोकथाम और पशु कल्याण पर जागरूक हुए

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने 1 दिसम्बर, 2025 को दक्षिण अण्डमान के कालीकट स्कूल में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य छात्रों और स्टाफ को जानवरों के आसपास सुरक्षित व्यवहार तथा उनके प्रति करुणा की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करना था। यह सत्र गाराचरामा स्थित पशु चिकित्सालय के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. वी. सुब्रमणियन द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने जानवरों के आसपास सावधानी बरतने, जानवर के काटने पर तत्काल प्राथमिक उपचार, निकटतम पशु चिकित्सा या स्वास्थ्य केंद्र को तुरंत रिपोर्ट करने के महत्व, जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम, आवारा कुत्तों की समस्या से मानवीय तरीके से निपटने तथा पशु विज्ञान एवं पशुपालन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावित कॅरियर अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका श्रीमती जया सिंह, छह शिक्षक, तिरसठ छात्र तथा तकनीकी सहायता प्रदान करने वाली पशु चिकित्सा कम्पाउंडर श्रीमती टी. ज़रीना ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रस्तुति के बाद आयोजित इंटरैक्टिव सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक कई सवाल और व्यावहारिक शंकाएँ पूछीं। डॉ. सुब्रमणियन ने प्रत्येक प्रश्न का विस्तार से उत्तर दिया, जिससे सभी प्रतिभागी स्पष्ट समझ और बढ़ी हुई जागरूकता के साथ लौटे। विभाग द्वारा की जा रही ऐसी पहलें ज़िम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के निवासियों और पशुओं दोनों के लिए एक सुरक्षित और अधिक संवेदनशील वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

## वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ने सीईओ ——पृष्ठ 1 का शेष

गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा एक रणनीतिक अभ्यास है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में मतदाता सूचियों को पूरी तरह से अद्यतन करना, सत्यापित करना, हटाना और सही करना है। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि एसआईआर अभ्यास चुनाव आयोग के निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने स्वस्थ मतदाता सूची तैयार करने के लिए 5 दिसंबर तक भरे गए गणना प्रपत्रों के संग्रह को 100 प्रतिशत तक बढ़ाने पर ज़ोर दिया, जिसका मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने अंतिम एसआईआर 2002 रोल के साथ वर्तमान मतदाताओं के मैपिंग प्रतिशत में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला, ताकि ईआरओ/एईआरओ नोटिस जारी करने की आवश्यकता को कम कर सकें और एक आसान सत्यापन प्रक्रिया सुनिश्चित कर सकें।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में सभी ज़िला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) और सीईओ कार्यालय के अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक के समापन के बाद, वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ श्री विजय पुरम तहसील के कुछ मतदान केंद्रों का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के साथ–साथ मतदान केंद्रों पर मौजूद मतदाताओं से बातचीत की।

## फरारगंज के अभ्युदय कॉम्प्लेक्स में मना ——पृष्ठ 1 का शेष

आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए एक सहयोगी वातावरण तैयार करने में संस्था के प्रयासों की सराहना की तथा प्रत्येक बच्चे के सशक्तिकरण, समान अवसर और गरिमा के महत्व पर ज़ोर दिया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, फरारगंज के चिकित्सा अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत अभ्युदय कॉम्प्लेक्स, फरारगंज की प्रभारी श्रीमती शीला कर के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने ऐसे समावेशी समाज के निर्माण के महत्व पर बल दिया जहाँ प्रत्येक व्यक्ति की क्षमताओं को पहचानकर उनका सम्मान किया जाए। बच्चों की प्रतिभा प्रदर्शित करने हेतु गीत, नृत्य, चित्रकला और खेल–कूद जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के बाद मुख्य अतिथि ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और सभी बच्चों को अपनी प्रतिभाओं को निखारते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती आइरीन निकोलस, सीडीपीओ, फरारगंज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

# पहाड़गांव थाना ने जोड़ाकिलान में मेथाम्फेटामाइन ज़ब्त की, चार गिरफ्तार

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए, पहाड़गांव थाना पुलिस ने 23 नवम्बर, 2025 को अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया तथा 28 ग्राम मेथाम्फेटामाइन और 27,000 रुपये ज़ब्त किए। 23 नवम्बर, 2025 को, जोड़ाकिलान स्थित शिप बिल्डिंग यार्ड के पास चार व्यक्तियों द्वारा मेथाम्फेटामाइन के अवैध व्यापार की विश्वसनीय सूचना के आधार पर, निरीक्षक मोहम्मद इलियास, थाना प्रभारी, पहाड़गांव थाना के नेतृत्व में एक छापामार टीम गठित की गई, जिसमें उप निरीक्षक मनीष नारायण, उप निरीक्षक ए. सन्तोष, पुलिस कांस्टेबल शमशुद्दीन, शिव कुमार, संतोष लाल और नुक्का राजू शामिल थे।

छापामार टीम तुरंत मौके पर पहुंची, रणनीतिक रूप से अपनी स्थिति बनाई और मेथाम्फेटामाइन व्यापार में संलिप्त संदिग्ध चार व्यक्तियों को ले जा रहे दो वाहनों को रोका। टीम ने अभियुक्त प्रसेनजीत प्रमाणिक (निवासी प्रोथरापुर), मोहम्मद ज़फर (निवासी फीनिक्स बे), राहुल राव (निवासी प्रोथरापुर) और इमरान अंसारी (निवासी गाराचरामा) के कब्ज़े से 28 ग्राम मेथाम्फेटामाइन तथा 27,000 रुपये बरामद किए। अभियुक्तों को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत दंडनीय अपराधों के लिए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया तथा अपराध में उपयोग किए गए दोनों वाहनों को भी ज़ब्त कर लिया गया।

दक्षिण अण्डमान ज़िले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध या अवैध गतिविधि की सूचना पुलिस को 112, 03192–232100 या 03192–236641 पर दें। सूचनादाता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

# पहाड़गांव थाना ने पश्चिम बंगाल से लापता नाबालिग लड़की को सफलतापूर्वक किया रेस्क्यू

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

एक त्वरित और समन्वित अंतर–राज्यीय अभियान में, पुलिस स्टेशन पहाड़गांव ने पश्चिम बंगाल से 17 वर्षीय लापता नाबालिग लड़की का सफलतापूर्वक पता लगाकर उसे रेस्क्यू किया।

गत 20 नवम्बर, 2025 को, पहरागांव थाना में 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के लापता होने की शिकायत दर्ज़ की गई। शिकायत प्राप्त होते ही अपहरण का मामला दर्ज़ किया गया और तत्काल गहन खोज अभियान शुरू किया गया। सूक्ष्म तकनीकी विश्लेषण और मोबाइल ट्रैकिंग के माध्यम से नाबालिग की रियल–टाइम लोकेशन पश्चिम बंगाल में चिन्हित हुई। आगे लगातार निगरानी और पश्चिम बंगाल पुलिस के साथ निर्बाध सूचना आदान–प्रदान से उसकी स्थिति को उत्तर दिनाजपुर ज़िले के गोलपोखर–पंजिपाड़ा क्षेत्र तक सीमित कर दिया गया।

पहाड़गांव थाना द्वारा साझा की गई सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए, ओपी पंजिपाड़ा पुलिस ने 24 नवम्बर, 2025 को नाबालिग लड़की को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। बाद में उसे संरक्षण और देखभाल हेतु चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी), उत्तर दिनाजपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया और एक गर्ल्स शेल्टर होम में रखा गया।

दक्षिण अण्डमान के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 26 नवम्बर, 2025 को, नाबालिग लड़की की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने हेतु पहाड़गांव थाना से एक टीम–उप निरीक्षक आर. निर्मला (जांच अधिकारी), उप निरीक्षक ए. सन्तोष और पुलिस कांस्टेबल दीपंकर मंडल–को पश्चिम बंगाल भेजा गया। रेस्क्यू की गई नाबालिग को 30 नवम्बर, 2025 को सुरक्षित रूप से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह लाया गया और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, श्री विजय पुरम के समक्ष प्रस्तुत किया गया। यह पूरा अभियान पहरागांव थाना के थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इलियास के नेतृत्व में, श्री अजय कुमार राय (दानिप्स), एसडीपीओ (दक्षिण अण्डमान) के निर्देशन तथा श्री मनोज कुमार मीणा (आईपीएस), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान ज़िले के समग्र पर्यवेक्षण में संचालित किया गया। दक्षिण अण्डमान पुलिस बच्चों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और जनता से अपील करती है कि किसी भी संदिग्ध या अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम–112 या 03192–232100/03192–236641 पर दें। सूचना देने वालों की पहचान पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

# सीआईएआरआई ने मनाया कृषि शिक्षा दिवस

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई) ने 3 दिसम्बर, 2025 को भारत के पहले राष्ट्रपति एवं पूर्व कृषि मंत्री डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती के उपलक्ष्य में "कृषि शिक्षा दिवस" मनाया। इस अवसर पर 27 नवम्बर से 3 दिसम्बर, 2025 तक विद्यालयी छात्रों के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

27 नवम्बर, 2025 को कक्षा 5वीं से 8वीं तक के छात्रों के लिए "सन् 2047 का कृषि फार्म" विषय पर चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। अगले दिन, 28 नवम्बर, 2025 को "कृषि–मूलभूत एवं सामान्य ज्ञान" विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई और 1 दिसम्बर, 2025 को कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों के लिए "भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि की भूमिका" विषय पर वाद–विवाद/भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कुल 120 छात्रों ने भाग लिया, जो उम्मत पब्लिक स्कूल, विवेकानंद केंद्र विद्यालय, कमराज इंग्लिश मीडियम स्कूल, पीएम श्री केंद्र विद्यालय–1 एवं 2, निर्मला स्कूल, हैडो स्कूल, पीएम श्री गाराचरामा स्कूल, कार्मेल स्कूल, खालसा पब्लिक स्कूल, नेवी चिल्ड्रेन स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल तथा सेंट मेरीज़ स्कूल, भातूबस्ती सहित 12 विद्यालयों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

2 दिसम्बर, 2025 को विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने गाराचरामा परिसर का दौरा किया और टेक्नोलॉजी एक्सपोज़िशन एवं प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने मत्स्य संग्रहालय, एकीकृत कृषि प्रणाली, नक्षत्र उद्यान, पशुधन फार्म, पिग शेड, बटरफ्लाई म्यूज़ियम, माइक्रोप्लॉट्स, औषधीय बगीचा, उद्यानिकी पौध प्रसार इकाई, केंद्रीय उपकरण सुविधा, पुस्तकालय आदि का भ्रमण किया और वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक डॉ. जय सुन्दर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कृषि क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक अवसरों की ओर प्रेरित किया, जो आईसीएआर के अंतर्गत अनेक विषयों को समाहित करता है। उन्होंने छात्रों को कृषि क्षेत्र में संतोषजनक कॅरियर की संभावनाओं पर विचार करने के लिए प्रेरित किया और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने छात्रों को नियमित रूप से सीआईएआरआई लाएँ, क्योंकि यह अनुभव आनंददायक और समृद्धिदायक है। उन्होंने कहा कि आज के छात्र ही भविष्य के वे वैज्ञानिक हैं जो देश में कृषि आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

# राष्ट्रीय टेबल टेनिस रैंकिंग चैंपियनशिप में द्वीपों के खिलाड़ी भी

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

सीनियर और युवा (अंडर–19) खिलाड़ी बी. दीपक, सुजीत ओहदार, देवजीत मंडल (जेएनआरएम के बीपीईएस छात्र) और रितिक कुमार आगामी 6 से 13 दिसम्बर, 2025 तक रांची, झारखंड में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय टेबल टेनिस रैंकिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन खिलाड़ियों का चयन अण्डमान तथा निकोबार राज्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में 23 नवम्बर को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित टेबल टेनिस चैंपियनशिप सह चयन ट्रायल 2025 के दौरान किया गया।

# फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

मैनुवर्स, फील्ड फायरिंग एंड आर्टिलरी प्रैक्टिस एक्ट, 1938 की धारा 10 की उपधारा (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में यह सूचित किया गया है कि सैन्य विमानों द्वारा फायरिंग अभ्यास 4, 11 और 18 दिसम्बर, 2025 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है।

सभी संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी गई है कि उपरोक्त तिथियों और समय के दौरान स्वयं तथा अपने वाहन/पशुधन को फायरिंग रेंज से दूर रखें।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

## ई.निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल-I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, स्टीवर्टगंज की और से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि .8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

**क्.स.** **कार्य का नाम**

1 एन. आई. टी. संख्या : ई ई/पी आर आई/एस ए डी -I/ जीईएन /2025.26/156 स्टीवर्टगंज ग्राम पंचायत के अंतर्गत खेल के मैदान की मिट्टी कटाई और भराई का कार्य। अनुमानित लागत 31,93,816/- धरोहर राशि रू 63,876/- कार्य समाप्ति की अवधि (06) छह माह।

निविदा शुल्क रू. 500/– बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 11/12/2025 के सांय 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी :- 2025_RDPRI_20851_1

कार्यापालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–1,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान



## INTERVIEW NOTICE

A Personal Interview for post of Psycho-Social Counselor, Office Assistant with Computer Knowledge and Security Guard/Night Guard under One Stop Centre, North & Middle Andaman will be conducted on dated 18.12.2025 at 11:00 AM onwards at Deputy Commissioner's Office, N&M Andaman, Mayabunder.

The Verification of original documents for eligible candidates has to be conducted one day before on 17.12.2025 at Office of the One Stop Centre (OSC), North & Middle Andaman near Old Zonal Library, Mayabunder Contact No.03192-273009.

In view of this an eligible/ineligible list of Candidates for the said posts is uploaded on the Administration website: www.andamannicobar.gov.in and N&M Andaman District website:https://northmiddle.andamannic.in any claim and objection from the candidates may submit within the period of 07 days from the date of publication of this eligible list.

Assistant Commissioner (HQ),
DC's Office, N&MA
Mayabunder


# सभी पान मसाला पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य प्रदर्शित करना अनिवार्य

नई दिल्ली, 03 दिसंबर। केंद्र सरकार ने सभी पान मसाला पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) दूसरा (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। ये नए नियम एक फरवरी, 2026 से प्रभावी होंगे।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) दूसरा (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। मंत्रालय के मुताबिक सभी साइज और वजन के पान मसाला के पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) और लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) रूल्स, 2011 के तहत जरूरी सभी दूसरी जानकारी दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है, जो एक फरवरी, 2026 से लागू होगा। अधिसूचना के मुताबिक 10 ग्राम या उससे कम के छोटे पैक पर भी खुदरा बिक्री मूल्य प्रिंट करना होगा।

# सीईसी ज्ञानेश कुमार ने अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचनी सहायता संस्थान के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को वर्ष 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (आईआईडीईए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया। संस्थान की परिषद् में 35 देश हैं।

आज स्टॉकहोम, स्वीडन में आयोजित सदस्य देशों की परिषद् की बैठक में उन्होंने आईआईडीईए के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में स्वीडन में भारत के राजदूत अनुराग भूषण भी उपस्थित थे। अंतरराष्ट्रीय आईडीईए, 1995 में स्थापित एक अंतर–सरकारी संगठन है जो विश्वभर में लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। अध्यक्ष के रूप में ज्ञानेश कुमार वर्ष 2026 के दौरान परिषद् की सभी बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार संस्था के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने आईआईडीईए के संचालन, नीति–निर्धारण और लोकतांत्रिक विमर्श में वर्षों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अपने स्वीकृति भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त ने भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विशाल स्वरूप का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत अब अपने अनुभव, मूल्यों और लोकतांत्रिक विरासत को विश्व के साथ साझा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

कुमार ने कहा कि भारत का कार्यकाल निर्णायक,

महत्वाकांक्षी और क्रियाशील होगा। भारत चेयर के रूप में दो प्रमुख स्तंभों पर कार्य करेगा–भविष्य के लिए लोकतंत्र की पुनर्कल्पना और स्वतंत्र व पेशेवर चुनाव प्रबंधन निकायों को सुदृढ़ करना। उन्होंने कहा कि भारत विश्वभर में ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देगा, जिससे प्रत्येक वोट की अहमियत बनी रहे और लोकतंत्र अधिक समावेशी, शांतिपूर्ण, लचीला और टिकाऊ बन सके। वर्ष 2026 के लिए मॉरिशस और मेक्सिको को उपाध्यक्ष की भूमिका सौंपी गई है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में इसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और उरुग्वे सहित 35 देश हैं। अमेरिका और जापान इसमें पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हैं। यह संगठन समावेशी, लचीली और जवाबदेह लोकतंत्रों को बढ़ावा देता है।

# संचार साथी ऐप मोबाइल में प्री–इंस्टॉल अनिवार्य नहीं, सरकार ने बदला नियम

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। संचार साथी ऐप को मोबाइल फोन पर अनिवार्य रूप से प्री–इंस्टॉल करने के आदेश पर विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने इस नियम को हटा दिया है। इसकी जानकारी केंद्रीय संचार मंत्रालय ने दी।

मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार ने सभी नागरिकों को साइबर सिक्योरिटी देने के इरादे से सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना जरूरी कर दिया था। यह ऐप सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया में गलत लोगों से बचाना है। यह सभी नागरिकों को ऐसे गलत लोगों और कामों की रिपोर्ट करने में जन भागीदारी में मदद करता है, साथ ही यूजर्स को भी बचाता है। ऐप में यूजर्स को बचाने के अलावा कोई और काम नहीं है और वे अपने फोन से इसे हटा सकते हैं।

इससे पहले संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद भवन में एक सवाल के जवाब में कहा कि संचार साथी ऐप का उद्देश्य सकारात्मक और लोक हितैषी है ना कि इसका मकसद स्नूपिंग करना है। उपभोक्ता चाहे तो संचार साथी ऐप को अपने फोन से डिलीट भी कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि अब तक 1.4 करोड़ से अधिक लोग इस ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं और हर दिन लगभग 2 हजार धोखाधड़ी की घटनाओं की जानकारी साझा कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे में छह लाख लोगों ने ऐप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण किया।

# एआईआर के दूसरे चरण में 50 करोड़ 97 लाख गणना प्रपत्र वितरित

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण के अन्तर्गत 50 करोड़ 97 लाख से अधिक गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। यह इस चरण में शामिल होने वाले लगभग 51 करोड़ मतदाताओं का 99.83 प्रतिशत है। आयोग ने कहा कि लगभग 47 करोड़ प्रपत्र डिजिटल किए जा चुके हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का दूसरा चरण पिछले महीने चार तारीख को 9 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों में शुरू हुआ था। यह राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश हैं– गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुदुचेरी, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप। मतदाता सूची में संशोधन की यह प्रक्रिया अगले साल 14 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ सम्पन्न होगी।

# इस साल की अंतिम पूर्णिमा के चांद का दीदार रहेगा बेहद खास

भोपाल, 03 दिसम्बर। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए 4 दिसंबर, गुरुवार का दिन खास होने जा रहा है। इस दिन आसमान में इस साल की अंतिम पूर्णिमा का चांद सुपरमून होगा। यह अपेक्षाकृत बड़ा और चमकदार दिखाई देगा। इसे रातभर में आसमान में चमकता हुआ देखा जा सकेगा।

नेशनल अवॉर्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आज चंद्रमा पृथ्वी के नजदीक होगा और इसकी पृथ्वी से दूरी लगभग 3 लाख 57 हजार 218 किमी होगी। इसे कोल्ड मून भी नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि उदित होते समय देखने पर मून इल्युजन के कारण यह और अधिक बड़ा दिखाई देगा। इसके बाद आकाश में पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ते हुए सुबह 4 बजकर 44 मिनट पर पृथ्वी के सबसे नजदीकी बिंदु पर आ जाएगा। इसे देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होगी। अगर आप शहर की रोशनी से दूर वाले स्थान से देखेंगे तो इसकी

चमक को और अधिक महसूस कर पाएंगे।

सारिका ने बताया कि सुपरमून तब होता है, जब पूर्णिमा का चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता हुआ पृथ्वी के सबसे निकट बिंदु पर रहता है। इस बिंदु को पेरिजी कहते हैं। पास आ जाने से वह सामान्य पूर्णिमा के चंद्रमा से बड़ा और अधिक चमकीला दिखता है। शहर की रोशनी से दूर जाकर सुपरमून की चांदनी की चमक को और अच्छे से महसूस कर सकते हैं।

# आसियान देशों के लिए तैनात आईसीजी का 'विग्रह' जहाज जकार्ता बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने आसियान देशों के लिए अपने जहाज 'विग्रह' को तैनात किया है, जो इस समय जकार्ता पहुंचा है। इंडोनेशिया के इस बंदरगाह पर 05 दिसंबर तक तैनाती के दौरान भारतीय नौसैनिक इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के साथ प्रोफेशनल बातचीत, टेबलटॉप एक्सरसाइज, शिपबोर्ड ड्रिल और जॉइंट ट्रेनिंग सेशन सहित कई अन्य तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि जहाज की यह तैनाती पोर्ट कॉल एक्ट ईस्ट पॉलिसी, क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास और इंडो–पैसिफिक महासागर पहल के हिसाब से क्षेत्रीय साझेदारों के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए की गई है। इस यात्रा से क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने में दोनों देशों के तटरक्षक बलों में तालमेल बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि भारत–इंडोनेशिया समुद्री साझेदारी के लिए जुलाई, 2020 में एक समझौता किया गया था। यह ऐतिहासिक समझौता समुद्री कानून प्रवर्तन में ऑपरेशनल जुड़ाव और सहयोग का समर्थन करता है।

उन्होंने बताया कि इस समुद्री कानून लागू को करने, मिलकर पेट्रोलिंग, सर्च और रेस्क्यू करने, समुद्री प्रदूषण से निपटने, समुद्री सूचनाएं साझा करने के लिए एक ढांचा बनाया गया है। इस समझौते ने दोनों एजेंसियों के बीच लगातार बातचीत को मुमकिन बनाया है, जिससे संयुक्त समुद्री ऑपरेशन के दौरान बेस्ट प्रैक्टिस, प्रोफेशनल ट्रेनिंग और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी का लेन–देन आसान हुआ है।

भारतीय तटरक्षक बल के जहाज 'विग्रह' का दौरा इसी मुहिम को जारी रखने का प्रयास है और द्विपक्षीय ढांचे के तहत हुई ठोस प्रगति का प्रदर्शन है। तीन दिन के दौरे के दौरान दोनों देश समुद्री कानून प्रवर्तन, समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया और समुद्री खोज और बचाव पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रवानगी से पूर्व दोनों तटरक्षक बलों के बीच पैसेज एक्सरसाइज परिचालन सामंजस्य, संचार प्रक्रिया और नाविक समन्वय को और बढ़ाएगी।

# इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में चक्रवाती तूफान से तबाही, बाढ़–भूस्खलन से 712 लोगों की मौत

जकार्ता, 03 दिसम्बर। इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप हाल ही में आए चक्रवाती तूफान से कराह रहा है। भीषण बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। अब तक कम से कम 712 लोगों की मौत हो चुकी है। 402 से अधिक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। चक्रवाती तूफान का सबसे अधिक प्रभाव उत्तरी सुमात्रा, पश्चिमी सुमात्रा और आचे प्रांत पर पड़ा है। इस आपदा का मुख्य कारण दो दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवात के प्रभाव से हुई भारी बारिश और उसके बाद हुआ भूस्खलन है।

द जकार्ता पोस्ट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के नेतृत्व में सेना, पुलिस और स्वयंसेवी संगठन बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं। कई जगहों पर पुल और सड़कें टूट जाने से प्रभावित इलाकों तक मदद पहुंचाने में दलों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस आपदा में लाखों लोग बेघर हो गए हैं और भोजन–पानी की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। यह इंडोनेशिया में हाल के वर्षों की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा में से एक है।

प्रभावित प्रांतों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि वह इस संकट से अकेले नहीं निपट सकते। इन प्रतिनिधियों ने कहा कि आपदा के सात दिन बाद भी कई गांव अभी भी देश–दुनिया से कटे हुए हैं। आचे के गवर्नर मुजाकिर मनाफ तो तबाही का जिक्र करते हुए पत्रकारों के सामने रो पड़े। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के प्रशासन ने माना है कि बाढ़ और भूस्खलन से बड़ा नुकसान हुआ है।

# लांस नायक अल्बर्ट एक्का के साहस के आगे पस्त हो गए थे पाकिस्तानी, फिर बना था बांग्लादेश

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। भारतीय सेना के इतिहास में कई बहादुर जवान हुए हैं। जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना दुश्मनों को न सिर्फ हराया, बल्कि देश का सिर गर्व से ऊंचा किया। ऐसे ही एक बहादुर जवान लांस नायक अल्बर्ट एक्का हैं। लांस नायक अल्बर्ट एक्का का जन्म झारखंड के गुमला जिले में 27 दिसंबर 1942 को मरियम और जूलियस एक्का के घर हुआ। बचपन से ही अल्बर्ट निशानेबाजी में निपुण थे और हॉकी भी बहुत अच्छा खेलते थे। एक जिला टूर्नामेंट के दौरान 7वीं बिहार बटालियन के सूबेदार मेजर भागीरथ सोरेन की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने अल्बर्ट को अपनी बटालियन में भर्ती करा लिया।

अल्बर्ट एक्का 7वीं बिहार बटालियन की 'सी' कंपनी से जुड़े और बाद में 32वीं गार्ड्स बटालियन के एक गर्वित गार्ड्समैन बने। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत के हवाई अड्डों पर बमबारी की और युद्ध की शुरुआत हुई। 1971 के युद्ध में भारतीय सेना ने पूर्वी मोर्चे पर आक्रामक रणनीति अपनाई ताकि पाकिस्तान के पूर्वी हिस्से (आज का बांग्लादेश) को अलग किया जा सके। पश्चिमी मोर्चे पर रक्षा रणनीति अपनाई गई ताकि दुश्मन भारतीय क्षेत्र पर कब्जा न कर सके।

इसी दौरान, 3 दिसंबर 1971 को सुबह 2 बजे लांस नायक अल्बर्ट एक्का गंगा सागर क्षेत्र में दुश्मन की मजबूत चौकी पर हमला करने वाली टुकड़ी का हिस्सा थे। दुश्मन की स्थिति बहुत मजबूत और सुरक्षित थी। हमले के दौरान भारतीय जवानों पर भारी गोलाबारी हुई, लेकिन उन्होंने आगे बढ़कर दुश्मन पर धावा बोला। इस दौरान अल्बर्ट एक्का ने देखा कि एक दुश्मन की लाइट मशीन गन उनकी टुकड़ी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रही थी। अपनी जान की परवाह किए बिना वह बंकर पर टूट पड़े और दो

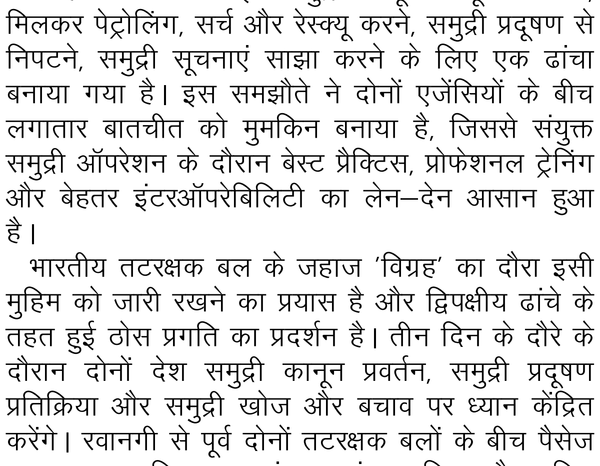

दुश्मनों को मार गिराया।

फिर एक मकान की दूसरी मंजिल से मीडियम मशीन गन से फायरिंग शुरू हो गई। अल्बर्ट एक्का पहले ही घायल हो चुके थे, लेकिन फिर भी वह रेंगते हुए उस इमारत तक पहुंचे और बंकर में ग्रेनेड फेंका। एक दुश्मन मारा गया और दूसरा घायल हुआ। फिर भी फायरिंग जारी रही, तो अल्बर्ट एक्का दीवार फांदकर बंकर में घुस गए और दुश्मन का सामना किया। उन्होंने दोनों खतरनाक ठिकानों को नष्ट कर दिया, जो भारतीय जवानों को भारी नुकसान पहुंचा रहे थे।

लेकिन इस अदम्य साहस के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हुए और अंत में शहीद हो गए। उनके इस असाधारण वीरता के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र दिया गया। इस लड़ाई में पाकिस्तान की हार हुई थी और फिर बाद में पूर्वी पाकिस्तान, जहां लांस नायक अल्बर्ट एक्का ने लड़ाई लड़ी थी, वह पाकिस्तान से अलग हुआ और बांग्लादेश का निर्माण हुआ।

# इतिहास के पन्नों में 04 दिसंबर : 1829 में वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा पर लगाया था पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। भारतीय इतिहास में 04 दिसंबर, 1829 का दिन सामाजिक सुधारों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज है। इसी दिन तत्कालीन वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने देश में प्रचलित अमानवीय और क्रूर सती प्रथा को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था।

सती प्रथा वह कुप्रथा थी, जिसमें किसी महिला को उसके पति की मृत्यु के बाद उसकी ही चिता पर जीवित जला दिया जाता था। कई जगहों पर इसे सामाजिक स्वीकृति का रूप देकर परंपरा का हिस्सा बनाया गया था, लेकिन इसके पीछे महिलाओं की मजबूरी, सामाजिक दबाव और कुप्रथा की भयावह सच्चाई छिपी रहती थी।

बंगाल प्रेसीडेंसी में बढ़ते विरोध, सामाजिक सुधारकों की आवाज़ और मानवता के खिलाफ इस क्रूर प्रथा को देखते हुए लार्ड बेंटिक ने इसे कानूनन अपराध घोषित कर दिया। इस निर्णय के पीछे राजा राममोहन राय जैसे महान सामाजिक सुधारकों का भी महत्वपूर्ण योगदान था, जिन्होंने इस प्रथा के खिलाफ लगातार संघर्ष किया।

लार्ड बेंटिक केवल सती प्रथा के खिलाफ ही नहीं थे, बल्कि भारतीय समाज में व्याप्त कई अन्य कुप्रथाओं के उन्मूलन के समर्थक भी थे। उनके शासनकाल में नवजात कन्या वध जैसी कुप्रथाओं को रोकने के लिए भी कदम उठाए गए।

सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाना भारत में महिला अधिकारों और मानवाधिकारों की दिशा में एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि माना जाता है। यह कानून आने के बाद महिलाओं को इस अमानवीय सामाजिक दंश से मुक्त होने का रास्ता मिला और समाज में सुधार की एक नई शुरुआत हुई।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1796 – बाजीराव द्वितीय पेशवा नियुक्त।

1829 – वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा समाप्त की।

1860 – गोवा में मरगाव के निवासी अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि ली। वह विदेशी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि लेने वाले पहले भारतीय थे।

1952 – इंग्लैंड में स्मॉग की घनी परत के छा जाने के कारण हजारों लोगों की जान चली गई थी।

1959 – भारत और नेपाल के बीच गंडक सिंचाई एवं विद्युत परियोजना पर हस्ताक्षर।

1967 – देश के पहले रॉकेट 'रोहिणी आरएच 75' का थुम्बा से प्रक्षेपण हुआ।

1971 – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भारत और पाकिस्तान के बीच खराब होते हालात के मद्देनजर आपात सत्र बुलाया।

1971 – भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान नौसेना और कराची पर हमला किया।

1984 – हिजबुल्ला आतंकवादियों ने कुवैत एयरलाइन के विमान का अपहरण कर चार यात्रियों की हत्या की।

1991 – लेबनान में अंतिम अमेरिकी बंधक को सात वर्ष की कैद के बाद रिहा कर दिया गया।

1995 – सं.रा. अमेरिका डेविस कप चैंपियन बना।

1996 – अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह के लिए एक और अंतरिक्ष यान 'मार्स पाथफ़ाउंडर' प्रक्षेपित किया।

# "नर्सरी स्थापना–पौध तैयार करना, कटिंग, लेयरिंग और ग्राफ्टिंग पर क्षमता विकास प्रशिक्षण"

श्री विजय पुरम, 3 दिसम्बर

"नर्सरी स्थापना–पौध तैयार करना, कटिंग, लेयरिंग और ग्राफ्टिंग" पर 7 दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण का संयुक्त रूप से आयोजन सीपीआर एनवायरनमेंटल एजुकेशन सेंटर, श्री विजय पुरम एवं आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण अण्डमान द्वारा 26 नवम्बर, 2025 से 3 दिसम्बर, 2025 तक आईसीएआर–केवीके, दक्षिण अण्डमान में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 26 नवम्बर, 2025 को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. वाई. रामकृष्ण, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केवीके, दक्षिण अण्डमान ने प्रशिक्षुओं से नर्सरी विकसित करने, अपने उत्पादों को बाज़ार में स्थापित करने और राजस्व उत्पन्न करने का आग्रह किया। नर्सरी की स्थापना, प्रकार, डिज़ाइन, रूपरेखा, अभिलेख रखरखाव और आर्थिक पक्ष जैसे विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नर्सरी मीडिया, पॉटिंग मिश्रण, बीजों का अंकुरण, बोआई तकनीक और रूट हार्मोन के उपयोग पर प्रदर्शन किया गया। कटिंग, लेयरिंग और ग्राफ्टिंग की तैयारी पर कौशल एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। प्राकृतिक कृषि सिद्धांतों द्वारा कीट एवं रोगों के समेकित प्रबंधन, खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट की अवधारणा एवं तैयारी जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। समापन समारोह 3 दिसम्बर, 2025 को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जय सुन्दर, निदेशक (कार्यकारी), आईसीएआर–सीआईएआर, श्री विजय पुरम ने सभा को संबोधित किया और द्वीपों में नर्सरी स्थापना की आवश्यकता एवं संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

# पुतिन की यात्रा के दौरान परमाणु ऊर्जा, एसयू–57, एस–400 पर समझौता होने की संभावना

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की आगामी भारत यात्रा के दौरान एक ओर जहां पांचवीं पीढ़ी के सुखोई–57 लड़ाकू विमानों और हवाई प्रतिरक्षा प्रणाली एस–400 की खरीद के साथ जेट इंजन के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं संयुक्त निर्माण तथा छोटे परमाणु संयंत्रों की स्थापना पर समझौते होने की संभावना है वहीं दोनों देश अमेरिकी टैरिफ के कारण द्विपक्षीय व्यापार में आ रहीं बाधाओं को दूर करने के लिए किसी फॉर्मूले पर सहमति दे सकते हैं।

गुरुवार को शुरू हो रही रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने वीडियो लिंक के माध्यम से भारतीय पत्रकारों के साथ एक प्रेस वार्ता में इसकी पुष्टि की। इसका आयोजन रूसी समाचार एजेंसी स्पूतनिक ने किया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि रूसी नेतृत्व रूस–यूक्रेन युद्ध को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रुख का आदर करता है और युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी योजना का भी समर्थन करता है लेकिन यूरोपीय नेता चाहते हैं कि यह युद्ध यूक्रेन के अंतिम नागरिक की मौत होने तक बंद ना हो और इसीलिए वे यूक्रेन को लगातार वित्तीय एवं सैनिक मदद दे रहे हैं।

पेस्कोव ने कहां, रूस–भारत संबंध केवल राजनयिक प्रोटोकॉल और व्यापार समझौतों का एक मानक सेट नहीं है, बल्कि यह उससे भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। हमारा

द्विपक्षीय संबंध आपसी समझ, साझीदारी और वैश्विक मामलों की साझा दृष्टि और अंतरराष्ट्रीय कानून, कानून के शासन और एक दूसरे के हितों को ध्यान में रखने की क्षमता के विशाल तंत्र की गहरी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह हमारे संबंधों की एक बहुत ही महत्वपूर्ण विशेषता है। हमें गर्व है कि हम अपने भारतीय मित्रों के ऐतिहासिक विकास के दौरान उनके साथ कंधे से कंधा मिला कर सहयोग कर रहे हैं। हमारे आपसी संबंधों की यह पृष्ठभूमि, हमें विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग विकसित करने का एक बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य देती है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4 और 5 दिसंबर को भारत की यात्रा, भारत और रूस के नेतृत्व के लिए द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा करने का एक महत्वपूर्ण मौका होगा।

# फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा, डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता–सूचना एवं प्रसारण मंत्री

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि सोशल मीडिया और फर्जी खबरों से जुड़ा मुद्दा बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, गलत सूचनाओं और एआई–जनरेटेड डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग या समूह जिस तरह से सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे लगता है कि वे भारत के संविधान या संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन नहीं करना चाहते। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई और कड़े नियम बनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

अश्विनी वैष्णव ने संसद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि हाल ही में नए नियम लागू किए गए हैं, जिनमें 36 घंटों के भीतर वीडियो हटाने का प्रावधान भी शामिल है। एआई–जनित डीपफेक की पहचान करने और उन पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एक मसौदा नियम भी प्रकाशित किया गया है और इस पर विचार–विमर्श चल रहा है।

उन्होंने संसदीय समिति के कार्य की सराहना की और कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रमुख सिफारिशों वाली एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सभी सदस्यों को धन्यवाद

दिया।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फर्जी खबरें तथा सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व हमारे लोकतंत्र की सुरक्षा के बीच एक नाजुक संतुलन की आवश्यकता है और सरकार इस संतुलन को बनाए रखने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने भी प्रत्येक नागरिक को एक मंच प्रदान किया है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, सरकार संस्थाओं और समाज की नींव रखने वाले विश्वास को मजबूत करने के लिए काम कर रही है।

# 1971 की उस रात क्या हुआ था? जिसकी याद में मनाया जाता है नेवी डे; जानें 4 दिसंबर को ही क्यों मनाते हैं नौसेना दिवस

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

देश में नौसेना के जवानों के हौसले मजबूत करने और दुनिया को उनकी ताकत दिखाने के लिए भारत में हर साल नौसेना दिवस मनाया जाता है. इस दिन पूरी दुनिया भारतीय नौसेना की ताकत को देखती है.

भारत में नौसेना की ताकत और देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में इसकी भूमिका को सम्मान देने के लिए हर साल नौसेना दिवस मनाया जाता है. यह दिन इंडियन नेवी की ताकत और देश के लिए उसके साहस और समर्पण का प्रतीक माना जाता है. भारत के लोगों को नौसेना दिवस सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त करने और उनके योगदानों को समझने का मौका देता है. देश में हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस को मनाया जाता है.

भारत में हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस को मनाया जाता है. साल 1971 में भारत–पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में हुई भारत की ऐतिहासिक जीत में नौसेना की भूमिका को लेकर यह दिवस मनाया जाता है. 3 दिसंबर को पाकिस्तान के द्वारा भारतीय हवाई अड्डे पर हमला किया गया था, जिसके बाद भारतीय नौसेना ने इस हमले के जवाब देते हुए 4 दिसंबर की रात हमले की योजना बनाकर ऑपरेशन ट्राइडेंट को अंजाम दिया था.

इंडियन नेवी द्वारा किए गए इस हमले में पाकिस्तानी नौसेना को काफी नुकान हुआ था. भारतीय नौसेना ने 4 दिसंबर की रात को पाकिस्तान के कराची नौसैनिक बेस पर हमला करके ऑपरेशन ट्राइडेंट को अंजाम दिया था.

यह मिशन भारत के सैन्य इतिहास में सबसे साहसिक और निर्णायक अभियानों में से एक माना जाता है. इस मिशन की शानदार जीत और ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता की याद में हर साल 4 दिसंबर को इंडियन नेवी डे मनाया जाता है.

भारत में हर साल नौसेना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. नौसेना दिवस पर इंडियन नेवी के युद्धपोतों, पनडुब्बियों और विमानों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन और समुद्री अभियानों का प्रदर्शन किया जाता है. इस दिन जवानों की परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है. इस खास दिन पर आम जनता के लिए नौसैनिक जहाज खुले रहते हैं, जिससे लोग भारतीय नौसेना के पोतों और उपकरणों को करीब से देख सकते हैं.

# रोहित शर्मा ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की नई जर्सी का अनावरण किया

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को रायपुर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के बीच भारतीय टीम की नई टी20 अंतरराष्ट्रीय जर्सी का अनावरण किया। प्रेजेंटेशन के दौरान रोहित के साथ मंच पर तिलक वर्मा भी मौजूद थे। साथ ही बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और एडिडास के प्रतिनिधियों ने औपचारिक रूप से दोनों को वर्ल्ड कप जर्सी सौंपी।

शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में दूधिया रोशनी में आयोजित इस जर्सी रिवील कार्यक्रम में फैंस को अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की मेजबानी के दौरान भारत द्वारा पहनी जाने वाली जर्सी की पहली झलक देखने को मिली। इस जर्सी का आधार गहरा नीला है और किनारों पर चटक नारंगी रंग के पैनल हैं। डिजाइन में एक अहम बदलाव करते हुए, तिरंगे को कॉलर पर ले जाया गया है, जबकि बनावट जोड़ने के लिए सामने की तरफ खड़ी नीली धारियां हैं।

जर्सी लांच करते हुए रोहित ने कहा, यह एक लंबा सफर रहा है। हमने 2007 में अपना पहला विश्व कप जीता था और अगला जीतने के लिए हमें 15 साल से ज्यादा इंतजार करना पड़ा। यह एक लंबा सफर रहा है, जिसमें कई उतार–चढ़ाव आए, लेकिन फिर से ट्रॉफी उठाकर बहुत

अच्छा लगा। अब जब विश्व कप भारत में हो रहा है तो यह एक रोमांचक टूर्नामेंट होने वाला है। मेरी शुभकामनाएं हमेशा टीम के साथ हैं और मुझे यकीन है कि हर कोई उनका साथ देगा।

बता दें कि रोहित की कप्तानी में 2024 में भारत ने टी 20 विश्व कप खिताब जीता था। इसके बाद रोहित ने टी20 फॉर्मेट से संन्यास का एलान कर दिया। उनके योगदान को देखते हुए रोहित को 2026 संस्करण के लिए टूर्नामेंट ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। अगले साल भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा।

# 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत आज से

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय गुरुवार से 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत के लिए गहन जागरूकता अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। गुरुवार को विज्ञान भवन में इसका शुभारंभ किया जाएगा। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसका आयोजन किया जा रहा है।

मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस समारोह में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में बाल विवाह उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय संकल्प लिया जाएगा। इस अवसर पर देश भर से प्रेरक परिवर्तन की कहानियों और अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं के अनुभव पर आधारित विशेष रूप से निर्मित फिल्म का प्रदर्शन भी होगा। इनके जरिए सामूहिक प्रगति का जश्न मनाया जाएगा और मिशन के अगले चरण के लिए नए संकल्प के साथ जुटने का संकल्प लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 27 नवंबर, 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान शुरू किया था और 27 नवंबर, 2025 को इसका एक वर्ष पूरा हो गया है। 100– दिवसीय अभियान तीन–चरणों में चलाया जाएगा जिसका उद्देश्य समुदायों को सक्रिय करना

27 नवंबर–31 दिसंबर 2025:– स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां जिनके अंतर्गत वाद–विवाद, निबंध प्रतियोगिताएं, संवादात्मक सत्र और संकल्प समारोह शामिल हैं।

1–31 जनवरी 2026:– बाल अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर संदेशों को बढ़ाने के लिए धार्मिक नेताओं, कम्युनिटी इन्फ्लुएंसर और विवाह सेवा प्रदाताओं के साथ कार्य।

1 फरवरी–8 मार्च 2026– ग्राम पंचायतों और नगरपालिका वार्डों को अपने अधिकार क्षेत्र को बाल–विवाह–मुक्त घोषित करने वाले प्रस्ताव पारित करने के लिए संगठित करना।

# प्रकृति का तोहफा: तोप के गोले सा दिखता है नागलिंग का फल, सेवन से मिलते हैं अनगिनत फायदे

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

प्रकृति ने ऐसे कई तोहफे महत्वपूर्ण औषधियों के रूप में दिए हैं, जिसके सेवन से स्वस्थ रहा जा सकता है। ऐसे ही एक तोहफे का नाम नागलिंग है, जिसका फल तोप के गोले सा दिखता है। नागलिंग वृक्ष को आयुर्वेद में किसी वरदान से कम नहीं बताया जाता। वहीं, भारत सरकार का आयुष मंत्रालय नागलिंग को अमृत समान बताते हुए इसके गुणों से अवगत कराता है।

नागलिंग वृक्ष का वैज्ञानिक नाम कौरौपीटा गुआनेन्सिस है। इसे कैननबॉल ट्री के नाम से भी जाना जाता है। इस वृक्ष की सबसे खास पहचान इसके फूल और फल हैं। फूल इतने अनोखे होते हैं कि लगते हैं मानो किसी सांप ने शिवलिंग पर अपना फण फैला रखा हो। इसी खूबसूरती और आकार के कारण इसे 'नागलिंग' नाम से जाना जाता है। वहीं इसके फल बिल्कुल तोप के गोले जैसे गोल और भारी होते हैं। फूलों से तेज सुगंध आती है जो दूर तक फैल जाती है।

मंत्रालय के अनुसार नागलिंग वृक्ष प्रकृति की अनुपम देन है। इसके हर हिस्से में औषधीय गुण भरे हैं। पत्ते, छाल, फूल और फल के अर्क में विटामिन–ई, स्टेरोल्स और आवश्यक फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में होते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी फंगल, एंटीकैंसर और एंटीमलेरियल गुण मौजूद हैं।

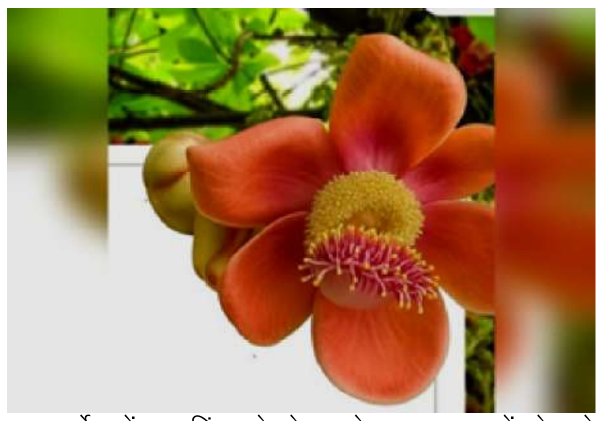

आयुर्वेद में नागलिंग के सेवन के प्रमुख फायदों के बारे में बताया गया है। यह हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। दर्द और सूजन में राहत देता है। सर्दी–खांसी और पेट दर्द दूर करता है। घाव जल्दी भरता है और त्वचा को स्वस्थ रखता है। यह मलेरिया और दांत दर्द में भी बेहद कारगर है। एंटी–माइक्रोबियल गुणों के कारण यह संक्रमण से बचाता है।

नागलिंग वृक्ष के हर हिस्से को सेहत का खजाना माना जाता है। इसे पारंपरिक दवाओं के तौर पर सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है और आधुनिक रिसर्च भी इसके गुणों की पुष्टि कर रहे हैं।

# नाड़ीशोधन प्राणायाम: रोजाना कुछ मिनटों के अभ्यास से मिलेगी मन को शांति और एकाग्रता

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर।

आज के व्यस्त समय में तन–मन दोनों को स्वस्थ रखना है तो योग और प्राणायाम सबसे सही विकल्प है। नाड़ीशोधन प्राणायाम को सबसे सरल और प्रभावी तकनीकों में से एक माना जाता है। यह प्राणायाम न केवल सांस को संतुलित करता है, बल्कि मन–मस्तिष्क पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालता है।

योगाचार्यों का कहना है कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में नाड़ीशोधन प्राणायाम हर उम्र के व्यक्ति के लिए वरदान है। नियमित अभ्यास से मन में निश्चलता आती है, गहरी शांति का अनुभव होता है साथ ही एकाग्रता में वृद्धि होती है। नाड़ीशोधन प्राणायाम करने की विधि बहुत आसान है, जिसके बारे में मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा विस्तार से जानकारी देता है।

अभ्यास के लिए किसी जगह पर सुखासन, पद्मासन या कुर्सी पर सीधी रीढ़ करके बैठें। दाहिने हाथ के अंगूठे से दाहिनी नासिका को बंद करें और बायीं नासिका से धीरे–धीरे गहरी सांस लें। फिर दाहिने हाथ की अनामिका व कनिष्ठा उंगली से बायीं नासिका बंद कर दाहिनी नासिका से सांस छोड़ें। फिर दाहिनी नासिका से ही सांस लें और बायीं से छोड़ें। इस क्रम को दोहराएं। एक चक्र पूरा होने पर दोनों नासिकाओं से सामान्य श्वास लें। शुरुआत में इसका अभ्यास 5 से10 मिनट और धीरे–धीरे करना चाहिए।

नाड़ीशोधन के लाभ अनेक हैं। यह तनाव को कम करने में सहायक है और चिंता के स्तर को तेजी से घटाता है। कफ दोष और सांस संबंधित समस्याओं में राहत देता है। इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ी को शुद्ध कर शरीर में प्राण ऊर्जा का संतुलन बनाता है, जिससे मानसिक स्थिरता और ध्यान की शक्ति बढ़ती है। नियमित अभ्यास से नींद की गुणवत्ता सुधरती है और दिनभर ताजगी बनी रहती है।

खाली पेट सुबह के समय इसका अभ्यास सबसे उत्तम माना जाता है। हालांकि, कुछ सावधानी बरतनी भी जरूरी है। इस प्राणायाम को कभी जबरदस्ती न करें। सांस लेना–छोड़ना पूरी तरह सहज और स्वाभाविक होना चाहिए। हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या गंभीर नाक की समस्या वाले व्यक्तियों को योग प्रशिक्षक की सलाह जरूर लेनी चाहिए।